प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

जैविक खेती किसानों के लिए लाभकारीः श्री रवि किरण सैनी

पंतनगर। 07 अक्टूबर 2021। पंतनगर विश्वविद्यालय के 110वें अखिल भारतीय किसान मेले एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन आज मुख्य अतिथि के रूप में श्री रवि किरण सैनी एवं विशिष्ट अतिथि किसान आयुक्त के उपाध्यक्ष, श्री राजपाल ने फीता काटकर किया। उद्घाटन सत्र में निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. अनिल कुमार शर्मा; निदेशक शोध, डा. ए.एस. नैन, किसान मेला प्रभारी एवं निदेशक संचार, डा. एस.के. बंसल एवं अन्य वैज्ञानिक भी उपस्थित थे। मेले के उद्घाटन के पश्चात कुलपति, डा. तेज प्रताप द्वारा श्री सैनी को मेले में लगी उद्यान प्रदर्शनी तथा विश्वविद्यालय के महाविद्यालय के स्टाल का अवलोकन कराया गया। मुख्य उद्घ ाटन समारोह गांधी हाल सभागार में आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. तेज प्रताप ने उद्घाटन सत्र की अध्य क्षता की।

मुख्य अतिथि श्री रविकिरण सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा किसान मेले में मुझे याद किया गया यह मेरे लिए गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि भू–अमृत ब्रांड से वर्तमान में 657 जैविक किसान से जुड़े हुए है। श्री सैनी ने कहा कि हमें जैविक खेती अपनानी चाहिए जिससे हमें अच्छी उपज प्राप्त होती है तथा किसानों को जैविक खेती करने से कम लागत में अधिक मुनाफा प्राप्त होता है। उन्होंने किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए विभिन्न तकनीकों, जैसे उच्च गुणवत्ता के बीज, पौध एवं पशु नस्ल का प्रयोग, कृषि के साथ कृषि आधारित–सह–व्यवसाय अपनाना, उपलब्ध जल स्रोतों का खेती में उपयोग के लिए उपाय ढूंढना, कृषि रसायनों का कम उपयोग, समन्वित खेती अपनाया जाना इत्यादि पर ध्यान केन्द्रित किया।

इस अवसर पर श्री राजपाल ने कहा कि पंतनगर किसान मेले में भारत वर्ष के हर जगह से किसान आते है तथा यहां से वैज्ञानिकों तकनीकों, उन्नत बीजों की जानकारी एवं विधियों को प्राप्त कर उनका उपयोग खेती में करके किसान अच्छी आय प्राप्त करते है। उन्होंने कहा कि किसानों को एक समूह में मिलकर जैविक खेती करने की आवश्यकता है जिसके लिए किसानों एवं वैज्ञानिकों को साथ मिलकर काम करने हेतु बल दिया। उन्होंने कहा कि रसायन के उपयोग को कम करने और मृदा को स्वस्थ्य बनाने के लिए मृदा में जीवांश की मात्रा बढ़ानी होगी। इसके लिए कृषकों को हरी खाद, गोबर की खाद एवं प्राकृतिक खाद की तरफ अग्रसर होना होगा।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति डा. तेज प्रताप ने कहा कि पंतनगर का किसान मेला किसानों के लिए अत्यधिक लाभकारी रहा है क्योंकि किसान यहां से वैज्ञानिक तकनीक एवं विधियों को अपनाकर अपनी आय में दोगुनी वृद्धि कर रहे है। उन्होंने बताया कि आज के समय में किसान जैविक खेती पर विशेष महत्व दे रहे है, जिससे उनको अधिक लाभ प्राप्त हो रहा है। आज के किसान नये जमाने के किसान है जो आज जैविक खेती कर रहे है, ऐसे किसानों को महत्व दिये जाने की आवश्यकता है ताकि अन्य किसान भी उनसे सीख लेकर कृषि के प्रति युवाओं में हो रहे पलायन को रोका जा सके। डा. प्रताप ने बताया कि कृषक जैविक खेती के साथ पशुपालन और कुक्कुट पालन करके अच्छी आय प्राप्त कर सकते हैं और अगर इन व्यवसायों में वैज्ञानिक तकनीकों का समावेश करें तो कम समय में बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकते हैं।

उद्घाटन सत्र के प्रारम्भ में निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. अनिल कुमार शर्मा, ने सभी आगन्तुकों का स्वागत किया एवं मेले के विषय में जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के निदेशक शोध, डा. ए.एस. नैन ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर मंचासीन अतिथियों द्वारा विभिन्न कृषि साहित्यों का विमोचन किया गया। साथ ही उत्तराखण्ड के विभिन्न जनपदों से चयनित प्रगतिशील किसानों को सम्मानित भी किया गया। गांधी हाल में बड़ी संख्या में किसान, विद्यार्थी, वैज्ञानिक, शिक्षक, अधिकारी एवं अन्य आगंतुक उपस्थित थे। मेले में उत्तराखण्ड के विभिन्न जनपदों के साथ–साथ अन्य प्रदेशों तथा नेपाल के किसान भी उपस्थित थे।

किसान मेले का फीता काटकर उद्घाटन करते श्री रवि किरण सैनी एवं विशिष्ट अतिथि किसान आयुक्त के उपाध्यक्ष, श्री राजपाल के साथ पंतनगर विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. तेज प्रताप; एवं अन्य वैज्ञानिक।